https://janjwar.com/marginalised/bonded-laborers-of-human-trafficking-freed-today-33-laborers-sold-and-held-hostage-693959?infinitescroll=1

अल्पसंख्यक समुदाय के 16 बंधुआ मजदूरों को बेचकर बनाया गया था बंधक, छूटने के बाद बतायी दर्दनाक कहानी

Janjwar Desk25 Nov 2020 7:42 PM

मुक्त कराये गये बंधुआ मजदूर

जब मजदूरों को कश्मीर से संभल लाया गया तो यहां मा लक का शोषण आसमान पर चढ़कर कहर बरपाने लगा, जब भी मज़दूर मज़दूरी की बात करते तो मा लक के हाथों उन्हें पटना पड़ता और मा लक मजदूरों को कहीं आने-जाने नहीं देता....

जनज्वार। यूपी के संभल जनपद से 16 बंधुआ मजदूरों को जिन्हें लगभग बंधक जैसी हालत में रखा गया था, मुक्त कराया गया है। इन्होंने मुक्त होने के बाद जो कहानी बतायी, उससे पता चलता है क लॉकडाउन के बाद मजदूरों के हालात और भी कतने ज्यादा बदतर हो चुके हैं। मुक्त कराये गये16 लोगों में 5 पुरुष, 4 महिलायें और 9 बच्चे शा मल हैं। नेशनल कैंपेन केमटी फॉर ईरे डकेशन ऑफ़ बोंडेड लेबर उत्तर प्रदेश ने बंधुआ मुक्ति

मोर्चा दिल्ली को 13 नवंबर को सूचना दी क 33 मजदूरों को अल्पसंख्यक समुदाय से है, को जिला संभल के मछाली गांव में एच प्लस एच भ` में चल रही बंधुआ गरी से मुक्त कराया जाये। तत्काल बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने संभल जिले के जिला धकारी एवं एडीएम को एक शकायत भेजकर मानव तस्करी से पी ड़त बंधुआ मजदूरों के के मुक्ति की गुहार लगाई। Also Read - अलीगढ़ के प्राइवेट कीर्ति हॉस्पिटल में नवजात की लाश को कुतर चूहे, बिल वसूलने के बाद प्रबंधन ने धमकाया परिवार को 23 नवंबर को बंधुआ मुक्ति मोर्चा, ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क एवं नेशनल कैंपेन क मटी फॉर ईरे डकेशन ऑफ़ बोंडेड लेबर के प्रतिनि धयों की टीम संभल जिला पहुंची पहुंची और वहां जाकर एडीएम संभल से संपर्क कया। एडीएम संभल ने एसडीएम संभल को तत्काल बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने का आदेश दिया। उप जिला धकारी देवेंद्र यादव के निर्देशन में नायब तहसीलदार भारत प्रताप संह श्रम अ धकारी वनोद कुमार शर्मा हरद्वारी लाल गौतम वजिलेंस की टीम मेंबर और असमोली थाना की एक टीम बनाकर बंधुआ मुक्ति मोर्चा के सोनू तोमर, ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क के एडवोकेट ओसबर्ट एवं कंवलप्रीत कौर की टीम के साथ मछा ल के गांव में बहाली के जंगल में छापा मारकर 16 बंधुआ मजदूरों को मुक्त सपरिवार सहित मुक्त कराया, जिसमें 5 पुरुष, 4 महिला एवं सात बच्चे शा मल थे। ये बंधुआ मज़दूर यूपी के जिला बागपत, शामली एवं मुजफ्फरनगर के निवासी थे। Also Read - प्रकाश झा की 'आश्रम 2' को लेकर भड़भुजा जाति ने कया प्रदर्शन कहा फल्म में हमारी जाति का अपमान बंधुआ मुक्ति मोर्चा के मुताबिक मुक्त बंधुआ मजदूरों की हालात बहुत ही नाजुक एवं दर्दनाक थीं। इनके पास कुछ भी खाने की सामग्री मौजूद नहीं थी। न रहने के लए मकान थे। मुक्त कराये गये मजदूरों ने बताया क एक ठेकेदार उन्हें उत्तर प्रदेश से जम्मू कश्मीर में काम करने के लए यह कहकर ले गया क एक महीने बाद वो वापस उत्तर प्रदेश ले आएगा ले कन ऐसा नहीं हुआ। मजदूरों को मानव तस्करी का शकार बनाकर बंधुआ मज़दूर बना डाला। परिवार सहित फंसे मजदूर दिन रात मा लक एवं ठेकेदारों की मारपीट के शकार होते। मजदूरों को ना तो काम का पैसा मला मला ना सम्मान। जब मजदूरों को कश्मीर से संभल लाया गया तो यहां मा लक का शोषण आसमान पर चढ़कर कहर बरपाने लगा। जब भी मज़दूर मा लक से मज़दूरी की बात करते तो मा लक के हाथों उन्हें पटना पड़ता और मा लक मजदूरों को कहीं आने-जाने नहीं देता। मा लक महिला मजदूरों के साथ भी बदतमीजी करता करता था। खाने के नाम पर प्रत्येक परिवार को एक माह पहले 5 कलो चावल तथा 5 कलो आटा और 1 कलो कलो दाल दी थी, फर कुछ नहीं। मजदूर कार्यस्थल पर एधर उधर मांग मांग कर पेट भरते थे।Also Read - UP : मर्जापुर में छेड़खानी से परेशान नाबा लग आदिवासी छात्रा ने खुद को कया आग के हवाले इलाज के दौरान मौत मजदूरों की हालत उनके साथ हुए अत्याचार की कहानी बयां करती नजर आई। प्रशासन की टीम ने बयान दर्ज कए फर एसडीएम संभल ने भ` मा लक एवं मानव तस्कर पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए और और तत्काल मजदूरों को मुक्ति प्रमाण पत्र जारी कए। सभी मजदूरों को कोई मज़दूरी नहीं दी गई और उन्हे उनके गांव भेज दिया गया। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के जनरल सेक्रेटरी निर्मल अग्नि ने बताया क उत्तर प्रदेश के मजदूरों को मानव तस्करी एवं बंधुआ मजदूरी के खेमे से बाहर निकाला गया, मगर वर्तमान में जीवन जीने के लए उनके पास कोई साधन नहीं है। बंधुआ मजदूरों की पुनर्वास की योजना 2016 के तहत तत्काल सहायता रा श प्रत्येक मुक्त बंधुआ मजदूर को 20,000 रुपए के हिसाब से दी जनी चाहिए। साथ ही संभल जिले में तत्काल प्रभाव से बंधुआ मजदूरों का सर्वे कया जाना चाहिए नहीं तो गुलामी क यह चक्र चलता रहेगा। लॉकडॉउन के कारण मानव तस्करी एवं बंधुआ मजदूरी के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना में मजदूरों को हर कोई

बहाल फुसला कर बेच रहा है, इस लए सरकार मानव तस्करी एवं बंधुआ मजदूरी के खलाफ कड़े कदम उठाये जाने चाहिए।